Determination of Interest Rate in the Economy (अर्थव्यवस्था में ब्याज दर का निर्धारण)

i ⇒ Interest Rate (ब्याज दर)

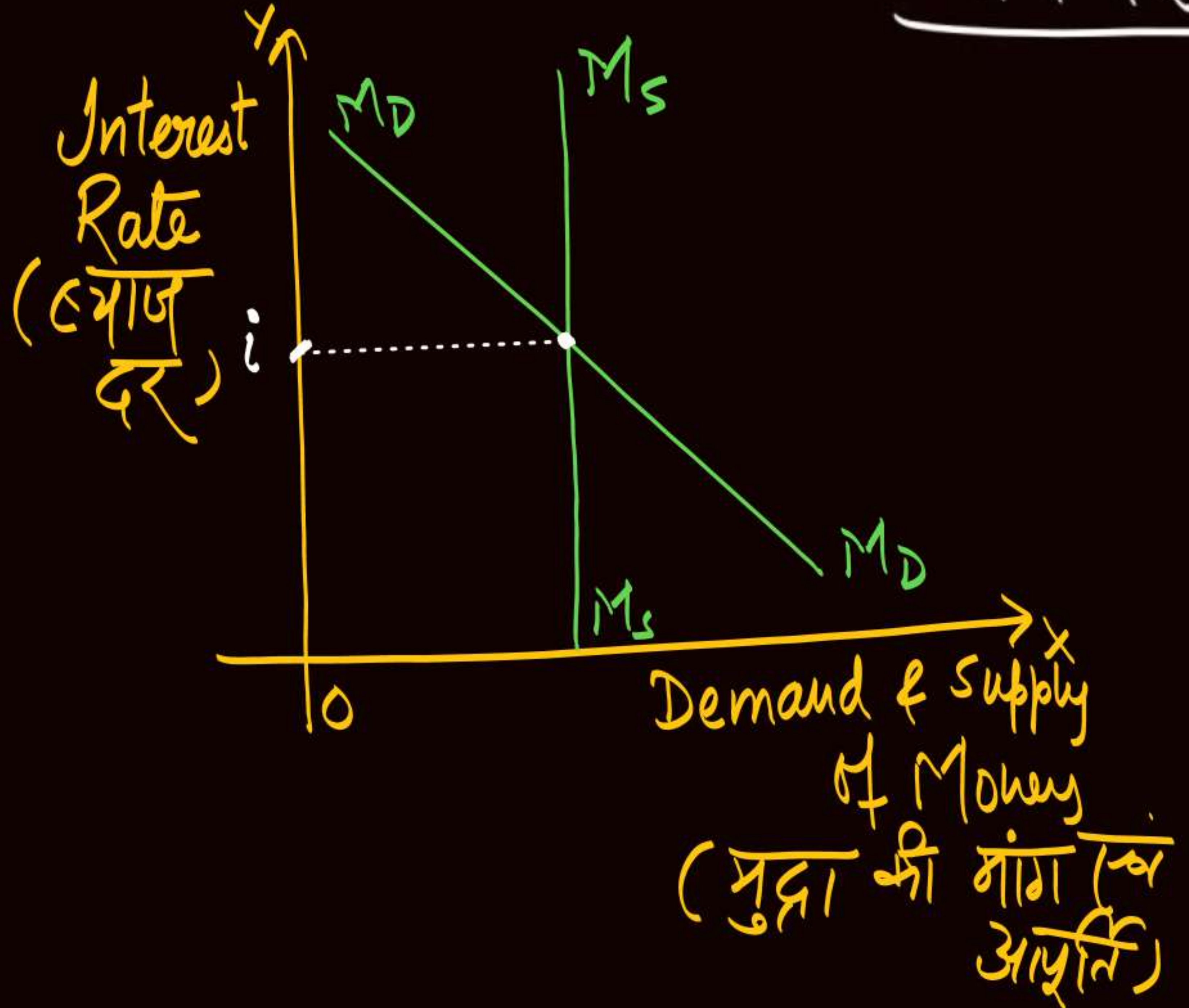

If the Demand for money increases in the Economy & Supply of money remains Contant then Interest Rate would?

Interest Rate ↑

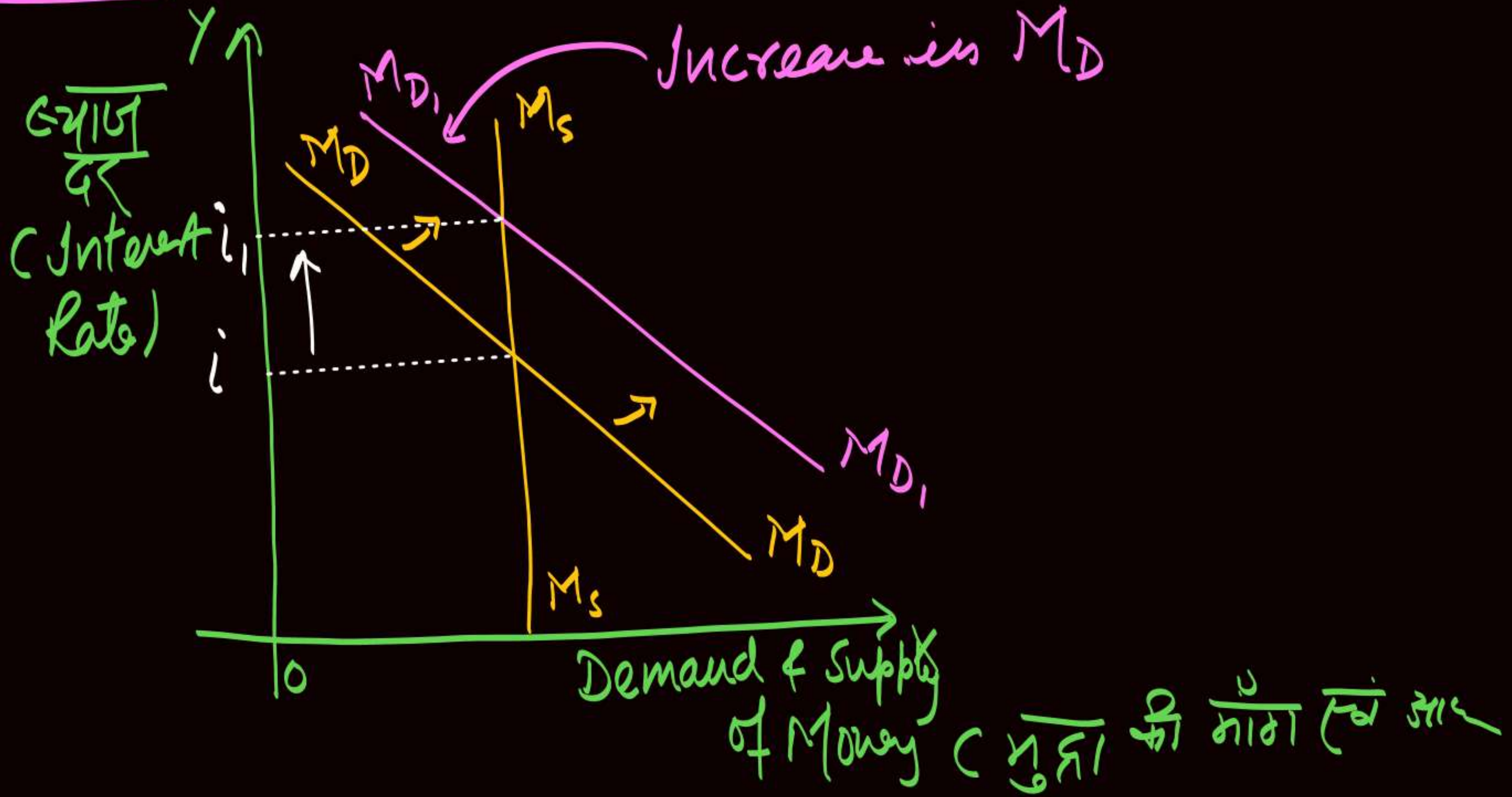

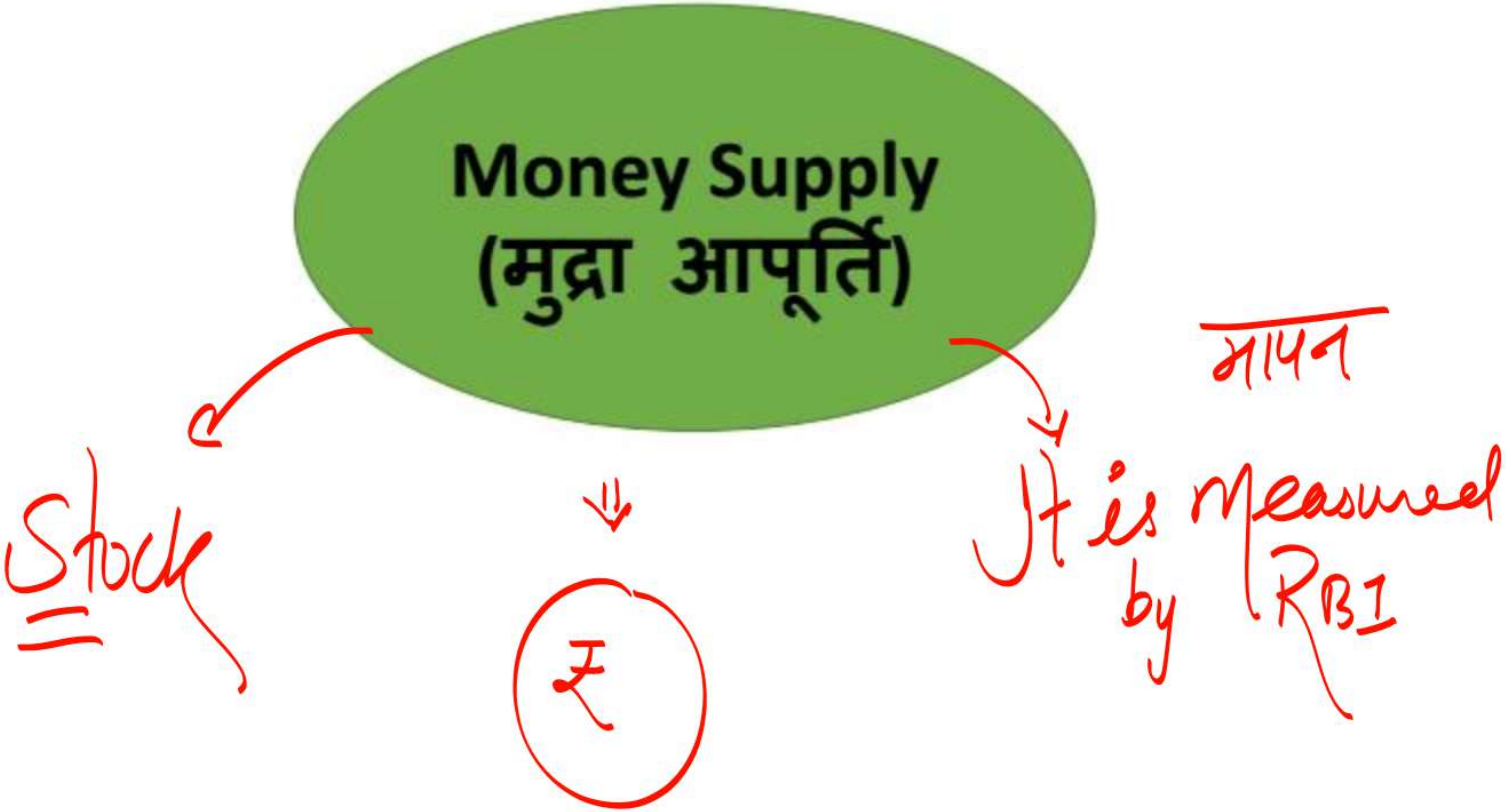
Money Supply
(मुद्रा आपूर्ति)
Stock
₹
मापन
It is Measured by RBI

मुद्रा की आपूर्ति (MONEY SUPPLY)

स्टॉक और प्रवाह

Period of time

Point of time (समय बिंदु)

Stock and **Flow**

?

बैंक में जमायों के प्रकार

- **मांग जमा**
  Demand Deposits
  ⇓
  CASA

- **सावधि जमा**
  Time Deposits
  ⇓
  FD & RD

Methods of Measuring Money Supply

(मुद्रा की आपूर्ति को मापने के ~~तरीके~~) विधियाँ

Or (या)

Monetary Aggregates

(मौद्रिक समुच्चय)

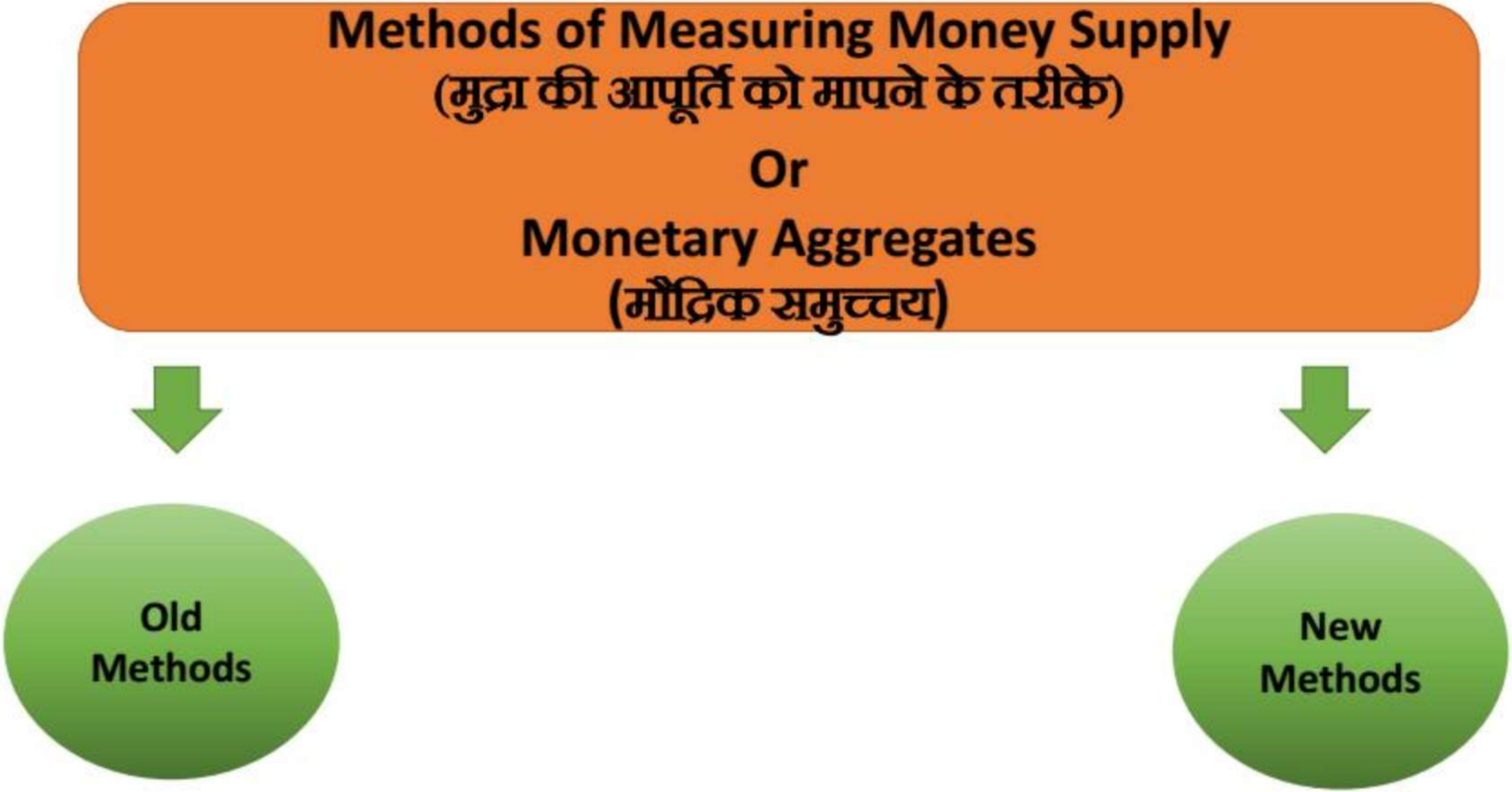
Methods of Measuring Money Supply
(मुद्रा की आपूर्ति को मापने के तरीके)
Or
Monetary Aggregates
(मौद्रिक समुच्चय)
Old Methods
New Methods

Methods of Measuring MS
or
Monetary Aggregates (मौद्रिक समुच्चय)

- **Old Methods (पुरानी विधियां)**
  - ⇓ 1977 – 1998
  - ⇓ M1, M2, M3 & M4

- **New Methods (नई विधियां)**
  - ⇓ 1998 Onwards (से)
  - (Y. V. Reddy)
  - [नए मौद्रिक समुच्चय] New Monetary Aggregates → M0, NM1, NM2 & NM3
  - (तरलता समुच्चय) Liquidity Aggregates → L1, L2 & L3

Old Methods (पुरानी विधियां)

① $M1 = C + DD + OD$

C = Currency with Public (लोगों के पास विद्यमान मुद्रा)

⇓

Coins + Paper Notes

DD = Demand Deposits with Banks (बैंकों में मांग जमाएं)

⇓

CASA

OD = Other Deposits with RBI (RBI के पास अन्य जमाएं)

- Deposits of Financial Institutions (Banks)
- Deposits of IMF & WB
- Deposits of Foreign Country

Financial Inclusion (वित्तीय समावेशन)

② M2 = M1 + Post-Office Saving A/C
(पोस्ट ऑफिस का बचत खाता)

③ M3 = M1 + Time/Term Deposits with Banks) → FD & RD
(बैंकों में समय/सावधि जमाएं)

④ M4 = M3 + All Deposits of Post-Office excluding NSC
(PO के सभी जमाएं NSC को छोड़कर)

New Methods

① M0 = Currency in Circulation (प्रचलन में मुद्रा) + Banker's Deposits with RBI (RBI के पास बैंकरों की जमा राशि) + Other Deposits with RBI (RBI के पास अन्य जमाएं)

प्रचलन में मुद्रा (Currency in Circulation) ⇒ Currency with Public + Cash in Hand with Banks (बैंकों के पास नकदी)

(2) NM1 = C + DD + OD

(3) NM2 = NM1 + Short-term Deposits in Banks (बैंकों में अल्प-कालीन जमाएं)

(Less than 1 year)

+ Certificate of Deposits issued by Banks (बैंकों को जारी जमाओं के प्रमाण पत्र)

(4) NM3 = NM2 + Long-term Deposits with with Banks (बैंकों में दीर्घकालीन जमाएं)

(More than 1 year)

+ Call / Term funding from Financing Institution

Liquidity Aggregates
(तरलता समुच्चय)

① L1 ⇒ NM3 + All Deposits of Post Office Excluding NSC
(NSC को छोड़कर PO के सभी जमाएं)

② L2 ⇒ L1 + Term Deposits.
(सावधि जमाएं)
Term Borrowings.
(सावधि ग्रहण)
Certificate of Deposits
(जमाओं का प्रमाणपत्र)
⇒ Some financial Institution
(कुछ वित्तीय संस्थान)

पुराने मौद्रिक समुच्चय
Old Monetary Aggregates

1977 से 1998 तक, RBI चार मौद्रिक समुच्चय प्रकाशित कर रहा है -
M1, M2, M3 और M4

M1 = जनता के पास विद्यमान करेंसी + बैंक व्यवसाय (बैंकिंग) प्रणाली के पास विद्यमान मांग जमा + भारतीय रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमा

M2 = M1+ डाकघर बचत बैंकों के पास विद्यमान बचत जमा

M3

- M1+ बैंक व्यवसाय प्रणाली के पास विद्यमान 'सावधि जमा' (Time Deposits)

M4

- M3 + + पोस्ट ऑफिस बचत बैंकों के पास विद्यमान सभी जमा (राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र को छोड़कर)

नए मौद्रिक समुच्चय New Monetary Aggregates

डॉ. वाई.वी. रेड्डी - जिसने जून 1998 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की

NM0

- चलन में विद्यमान करेंसी Currency in Circulation
- भारतीय रिजर्व बैंक के पास बैंकरों का जमा Bankers' Deposits with RBI
- भारतीय रिजर्व बैंक के पास अन्य जमा 'Other' Deposits with RBI

NM1

- जनता के पास विद्यमान करेंसी
(Currency with the Public)

- बैंक व्यवसाय (बैंकिंग) प्रणाली के पास विद्यमान मांग जमा
(Demand Deposits with Banks)

- भारतीय रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमा
('Other' Deposits with RBI)

NM2

·NM1

निवासियों की अल्पकालिक सावधि जमा (1 वर्ष तक)
Short-term Time Deposits of Residents (Upto 1 year)

•बैंकों द्वारा जारी जमा प्रमाणपत्र
•Certificates of Deposits issued by Banks

NM3

- NM2

- बैंकिंग प्रणाली के साथ एक वर्ष से अधिक की सावधि जमा
Term Deposits of over one year with the Banking System

- वित्तीय संस्थानों से कॉल / टर्म फंडिंग
Call / Term funding from Financial Institutions

तरलता समुच्चय Liquidity Aggregates – L1, L2, and L3

L1 = NM3 + पोस्ट ऑफिस बचत बैंकों के साथ सभी जमा (राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (National Saving Certificate) को छोड़कर)

NM3 + All deposits with the post office savings banks (excluding National Savings Certificates).

L2 = L1 + टर्म लेंडिंग संस्थानों (Term Lending Institutions) और पुनर्वित्त संस्थानों (Refinancing Institutions) के पास टर्म डिपॉजिट

+ वित्तीय संस्थानों द्वारा अवधि उधार (Term Borrowing)

+ वित्तीय संस्थानों (Financial Institutions द्वारा जारी किया गया जमा प्रमाण पत्र (Certificate of Deposits (CDs))

L3 = L2 + गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (Non Banking Finacial Companies (NBFCS)] का सार्वजनिक जमा